जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. मुमताज अहमद खान*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 27
दिनांक 21.02.2022

जनेकृविवि के साकार से होगा युवा कृषि उद्यमियों का स्वप्न साकार

स्टार्टअप्स हेतु जनेकृविवि की ''साकार'' और ''प्रेरणा'' से मिलेगा 5 से 25 लाख का अनुदान

जबलपुर 21 फरवरी। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में चल रहा केन्द सरकार का ''साकार और प्रेरणा'' कार्यक्रम न्यू स्टार्टअप्स के लिये कृषि उद्यमिता के नये द्वार खोल रहा है। विश्वविद्यालय न्यू स्टार्टअप्स को ट्रेनिंग देकर पूरी तरह से कृषि व्यवसाय हेतु निपुण कर रहा है। इसमें चुने हुये युवाओं को प्रेरणा से 5 लाख और साकार से 25 लाख तक का अनुदान मिलता है, जो कि लोन नहीं है। जवाहर आर.ए.बी.आई. द्वारा पोषित स्टार्टअप के डायरेक्टर डॉ. एस.बी. नहातकर ने बताया कि अब तक 86 नवोदित स्टार्ट–अप को तैयार किया गया, जिनमें से 23 को 2.075 करोड़ रूपये का अनुदान मिल चुका है। इनके माध्यम से 500 से अधिक लोगो को रोजगार मिला है एवं 45 नए कृषि उत्पाद का सृजन किया गया है। अभी तक 1500 से अधिक कृषकों को ये स्टार्टअप्स सहायता प्रदान कर चुके हैं और इन सबका एवरेज टर्न ओवर रूपये 2 करोड़ 50 लाख तक का है।

कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन बताते हैं यह प्रयास देश में कृषि और सम्बद्ध क्षेत्र में नवाचार और कृषि–उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देगा। युवाओं के लिये स्टार्टअप्स एक अच्छा कार्यक्रम है कृषि क्षेत्र में अगर युवाओं के द्वारा इस पर अच्छे से काम किया जाए तो अधिक से अधिक आय एवं रोजगार का सृजन किया जा सकता है। देश भर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिये 29 एग्री बिजनेस इन्क्युवेशन सेंटर है। जिसमें मध्यप्रदेश में एक मात्र केन्द्र जनेकृविवि जबलपुर में स्थित है।

वे नौजावान जिनके पास भी कृषि संबंधित कोई नवाचार हो, वे कोई नवाचार आधारित व्यवसाय स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें यहॉ इन्क्युवेट किया जाता है यह कार्यक्रम कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत शासन द्वारा वित्त पोषित है जो कृषि क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देने और किसानों की आय और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। यहॉ कृषि क्षेत्र में नवाचार करने वालों को तकनीकी, मार्केट वा वित्तीय सहायता के साथ–साथ मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण दिया जाता है। देशभर के उत्कृष्ट संस्थानों से समन्वय स्थापित कर कृषि व्यवसाय बढ़ाने हेतु नवाचार उद्यमियों की मदद कर रहा है।

कुछ अनुभव – जनेकृविवि से प्रशिक्षित फाउंडर, अगद्याति जबलपुर श्री अम्बीक पटेल अगद्यति ब्रांड नाम से कम्पनी चला रहे हैं तथा स्टीविया पाउडर, मिर्च, हल्दी, धनिया आदि पाउडर बना कर बेच रहे हैं और इन प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग के लिए ऑनलाईन पोर्टल पर भी मसालों को उपलब्ध करा रहे हैं।

फाउंडर आहाराम इनोवेशन्स, जबलपुर राकेश सिंह जवाहर राबी से मिले फंड का उपयोग कर मल्टी मिलेट दलिया बना कर मंडला और डिंडौरी क्षेत्र के आदिवासी कृषकों को अधिक आय एवं रोजगार उपलब्ध करवाने का कार्य कंपनी कर रही है।

इसी प्रकार डायरेक्टर, हेन एग्रो केयर प्राइवेटर लिमिटेड़ देहरादून, उत्तराखण्ड हिरेशा वर्मा जवाहर राबी से रूपये 16 लाख की वित्तीय सहायता प्राप्त महिला उद्यमी हिरेशा वर्मा अपने औषधीय मशरूम से संबंधित उत्पाद बना कर न सिर्फ देश में बल्कि विदेश में भी अपना नाम कमा रही हैं। सेंटर से जुड़कर न सिर्फ अपना व्यवसाय करने का सपना साकार किया बल्कि उत्तराखंड के पहाडी क्षेत्रों में बाढ़ प्रभावित महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध करवाया तथा प्रदेश के मशरूम उद्यमियों को मार्गदर्शन भी प्रदान कर रहीं हैं।

–000–